रामदेव चालीसा

॥ दोहा ॥

श्री गुरु पद नमन करि,

गिरा गनेश मनाय।

कथा रामदेव विमल यश,

सुने पाप विनशाय॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

द्वार केश ने आय कर,

लिया मनुज अवतार।

अजमल गेह बधावणा,

जग में जय जयकार॥

॥ चौपाई॥

जय जय रामदेव सुर राया,

अजमल पुत्र अनोखी माया।

विष्णु रूप सुर नर के स्वामी,

परम प्रतापी अन्तर्यामी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ले अवतार अवनि पर आये,

तंवर वंश अवतंश कहाये।

संत जनों के कारज सारे,

दानव दैत्य दुष्ट संहारे।

परच्या प्रथम पिता को दीन्हा,

दूध परीण्डा मांही कीन्हा।

कुमकुम पद पोली दर्शाये,

ज्योंही प्रभु पलने प्रगटाये।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परचा दूजा जननी पाया,

दूध उफणता चरा उठाया।

परचा तीजा पुरजन पाया,

चिथड़ों का घोड़ा ही साया।

परच्या चौथा भैरव मारा,

भक्त जनों का कष्ट निवारा।

पंचम परच्या रतना पाया,

पुंगल जा प्रभु फंद छुड़ाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परच्या छठा विजयसिंह पाया,

जला नगर शरणागत आया।

परच्या सप्तम् सुगना पाया,

मुवा पुत्र हंसला भग आया।

परच्या अष्टम् बौहित पाया,

जा परदेश द्रव्य बहु लाया।

भंवर डूबती नाव उबारी,

प्रगत टेर पहुँचे अवतारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नवमां परच्या वीरम पाया,

बनियां आ जब हाल सुनाया।

दसवां परच्या पा बिनजारा,

मिश्री बनी नमक सब खारा।

परच्या ग्यारह किरपा थारी,

नमक हुआ मिश्री फिर सारी।

परच्या द्वादश ठोकर मारी,

निकलंग नाडी सिरजी प्यारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परच्या तेरहवां पीर परी पधारया,

ल्याय कटोरा कारज सारा।

चौदहवां परच्या जाभो पाया,

निजसर जल खारा करवाया।

परच्या पन्द्रह फिर बतलाया,

राम सरोवर प्रभु खुदवाया।

परच्या सोलह हरबू पाया,

दर्श पाय अतिशय हरषाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परच्या सत्रह हर जी पाया,

दूध थणा बकरया के आया।

सुखी नाडी पानी कीन्हों,

आत्म ज्ञान हरजी ने दीन्हों।

परच्या अठारहवां हाकिम पाया,

सूते को धरती लुढ़काया।

परच्या उन्नीसवां दल जी पाया,

पुत्र पाया मन में हरषाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परच्या बीसवां पाया सेठाणी,

आये प्रभु सुन गदगद वाणी।

तुरंत सेठ सरजीवण कीन्हा,

उक्त उजागर अभय वर दीन्हा।

परच्या इक्कीसवां चोर जो पाया,

हो अन्ध करनी फल पाया।

परच्या बाईसवां मिर्जो चीहां,

सातो तवा बेध प्रभु दीन्हां।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परच्या तेईसवां बादशाह पाया,

फेर भक्त को नहीं सताया।

परच्या चौबीसवां बख्शी पाया,

मुवा पुत्र पल में उठ धाया।

जब-जब जिसने सुमरण कीन्हां,

तब-तब आ तुम दर्शन दीन्हां।

भक्त टेर सुन आतुर धाते,

चढ़ लीले पर जल्दी आते।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो जन प्रभु की लीला गावें,

मनवांछित कारज फल पावें।

यह चालीसा सुने सुनावे,

ताके कष्ट सकल कट जावे।

जय जय जय प्रभु लीला धारी,

तेरी महिमा अपरम्पारी।

मैं मूरख क्या गुण तब गाऊँ,

कहाँ बुद्धि शारद सी लाऊँ।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नहीं बुद्धि बल घट लव लेशा,

मती अनुसार रची चालीसा।

दास सभी शरण में तेरी,

रखियों प्रभु लज्जा मेरी।

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा